

17024

BACHELOR OF EDUCATION

Term-End Examination

December, 2015

ES-363 : GUIDANCE AND COUNSELLING

Time : 3 Hours

Maximum Weightage : 70%

Note : (i) *All the four questions are compulsory.*

(ii) *All the questions carry equal weightage.*

1. Answer the following question in about 600 words :

Among the various approaches to counselling, which approach do you prefer ? Justify your answer.

OR

Describe the relationship of career pattern with the five life stages of Buchler.

2. Answer the following question in about 600 words :

Describe the role of guidance personnel in a school.

OR

"Guidance services are an integral part of the school." Based on this statement discuss the rationale for an integration between guidance and curriculum.

3. Answer **any four** of the following questions in about **150** words each :

- (a) What is self-guidance ? To what extent is an average high school student capable of self-guidance ?
- (b) Differentiate between career pattern and career maturity.
- (c) Write a note on Inclusive Schooling.
- (d) List some of the prominent problems of girls' education. What guidance programme can you suggest for it ?
- (e) As a teacher, how will you handle a truant child in your class ?
- (f) What are the advantages and limitations of group counselling ?

4. Answer the following question in about **600** words :

As a teacher, how will you organize a guidance programme in your school ? What guidance activities will you include for the students at secondary level ?

शिक्षा में स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2015

ई.एस.-363 : निर्देशन तथा उपबोधन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता : 70%

नोट : (i) सभी चारों प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) सभी प्रश्नों की भारिता एक समान है।

1. निम्न प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

उपबोधन की विभिन्न विधाओं में से, किस विधा को आप उचित मानते हैं? अपने उत्तर को न्यायसंगत ठहराइए।

अथवा

वृत्ति वीचलन (career pattern) के बूचलर (Buchler) की पाँच जीवन अवस्थाओं से सम्बन्ध की व्याख्या कीजिए।

2. निम्न प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

विद्यालय में निर्देशन व्यक्ति की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

अथवा

“निर्देशन सेवाएँ विद्यालय का अन्तरंग भाग है”। इस कथन पर आधारित निर्देशन एवं पाठ्यचर्या के समागम के तर्क की परिचर्चा करो।

3. निम्न में से किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 150 शब्द प्रति उत्तर के अनुसार दीजिए :

- (a) स्व-निर्देशन क्या होता है? एक सामान्य माध्यमिक विद्यालय का शिक्षार्थी स्व-निर्देशन में कितना दक्ष होता है?
- (b) वृत्ति वीचलन (career pattern) एवं वृत्ति परिपक्वता में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
- (c) समावेष्टित विद्यालय शिक्षा पर टिप्पणी लिखो।
- (d) लड़कियों की शिक्षा की कुछ महत्वपूर्ण समस्याओं की एक सूची बनाओ। उनके लिए किस प्रकार का निर्देशन कार्यक्रम आप बना सकते हो?
- (e) एक अध्यापक के नाते आप एक विद्यालय से भागने वाले बच्चे को किस प्रकार सुधारोगे?
- (f) सामूहिक निर्देशन के लाभ एवं सीमाएँ (हानियाँ) क्या हैं?

4. निम्न प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

एक अध्यापक के नाते आप अपने विद्यालय में निर्देशन कार्यक्रम का आयोजन किस प्रकार करोगे? आप माध्यमिक स्तर के शिक्षार्थियों के लिए किन निर्देशन गतिविधियों को इसमें जोड़ोगे?
